अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : नवम्बर/दिसम्बर 2018

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण

विषय : गायन/वादन (स्वरवाद्य) (प्रथम प्रश्नपत्र)

दि. 11/11/2018 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।
(२) अन्य प्रश्नों में से **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखे।
(३) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखे।
(४) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र. 1. राग मारुबिहाग अथवा दरबारी कानडा में विलंबित ख्याल – मसीतखानी गत तीन तानों के साथ लिपिबध्द कीजिए। (पं. भातखंडे पध्दत) **(6 + 6 + 3 = 15)**

प्र. 2. राग – बिभास अथवा ललत में छोटा ख्याल, रजाखानी गत पं. पलुस्कर लिपी में लिपिबध्द करें और राग का परिचय दे। (कोई एक)। : **(6 + 6 + 3 = 15)**

प्र. 3. पाठ्यक्रम में से किसी एक राग (साधारण ज्ञान के राग में से) में धमार लिपिबध्द कीजिए और स्थाई की तिगुन और अंतरे की चौगुन पं. भातखंडे लिपी में लिपिबध्द करें। : **(5 + 5 + 5)**
$(2\frac{1}{2} + 2\frac{1}{2}$ = ठाह तिगुन चौगुन)

प्र. 4. निम्नलिखित तालों का संपूर्ण परिचय देकर सूचनानुसार हल करें (कोई तीन)। **(5 + 5 + 5 = 15)**

(1) दिपचंदी तिगुन (पं. पलुस्कर पध्दत)

(2) धमार चौगुन (पं. पलुस्कर पध्दत)

(3) सुलताल दुगुन (पं. भातखंडे पध्दत)

(4) झपताल देडगुन (पं. भातखंडे पध्दत)

(5) रुपक तिगुन एक आवर्तन में (पं. भातखंडे पध्दत)

प्र. 5. स्वर सप्तक का विकास प्राचीन से आधुनिक काल तक स्पष्ट करें। **(15)**

प्र. 6. राग पहचानकर परिचय दे (कोई भी तीन)। : **(5 + 5 + 5 = 15)**

(1) मंधनीसां रें सां, रें सां नी सां नी ध

(2) गमंध गमंग

(3) ध सां नी ध प, मंगमंऽग

(4) ग प धऽध प, ग प ग रे सा

प्र. 7. टिप्पणीयाँ लिखिए। (कोई भी तीन)। : (5 + 5 + 5 = 15)

(1) गायकों के गुणदोष विस्तार से लिखिए।

(2) मार्गी संगीत

(3) गंधर्व गान

(4) परमेलप्रवेशक राग